

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान जोधपुर, राजस्थान



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 26-07-2024

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-07-26 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-07-27	2024-07-28	2024-07-29	2024-07-30	2024-07-31
वर्षा (मिमी)	4.0	9.0	11.0	10.0	6.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	36.0	36.0	34.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	28.0	28.0	28.0	27.0	28.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	76	73	74	69
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	43	52	65	52	51
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	24	11	15	20	22
पवन दिशा (डिग्री)	217	216	250	228	221
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में बादल छाए रहने के साथ हल्की से मध्यम वर्षा की सम्भावना है।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई समय पर बोई गई बाजरा, मूंग आदि फसलों में खरपतवार नियत्रण, मृदा में उचित वायु संचारण के लिए नराई-गुडाई करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में बादल छाए रहने के साथ हल्की से मध्यम वर्षा की सम्भावना है।

फ़सल विशिष्ट सलाहः

फ़सल	
बाजरा	यदि बाजरा की बुवाई जून महा में कि गई है तो फसल में वर्षा के बाद 20 किलो नत्रजन प्रति हैक्टेयर की दर से बुआई के 25 से 30 दिन बाद वर्षा के साथ दें।
	अरण्डी की बुवाई हेतु जी.सी.एच-4, जी.सी.एच-5, आर.एच.सी-1, डी.सी.एस-9 व जी.सी.एच-7 उन्नत किस्म की बुवाई करें । बुवाई हेतु 12-15 किलो बीज प्रति हैक्टेयर के लिए प्रयाप्त है।
कपास	कपास की फसल में चितकबरी सूंडी का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण के लिए फेनवेलरेट 20 ई.सी. एक

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह	
	मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।	

बागवानी विशिष्ट सलाहः

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
αı	जो किसान भाई नए फलों के बाग स्थापित करने के इच्छुक हैं, बेर, नींबू, अनार और आंवला लगाने का उपयुक्त समय है।

पशुपालन विशिष्ट सलाहः

1	पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
,	गाय	आने वाले दिनों में बारिश की संभावना के कारण यदि पशु बाड़े में तथा पशु बाड़े के आसपास जल भराव हो सकता हैं जिससे मच्छर मक्खी का प्रकोप हो सकता है अतः खड़े पानी को निकलने की व्यवस्था करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
	किसानों को सलाह दी जाती है कि फसलों पर किसी भी प्रकार का छिड़काव वर्षा के पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही करें।